गये तब तब उन्होंने, सबने आकर कहा कि शांति की वृत्ति दृढ़ हो रही है वहां पर । कुछ लोगों ने नई सरकार खड़ी करने के लिए या तो विदेशी प्रोत्साहन के कारण, विरोध की दिशा की आबोहवा बना ली है । लेकिन उससे थोड़े लोग ही प्रवाहित हुए हैं, आम जनता प्रवाहित नहीं हुई है । हाल में एक घटना यह हुई कि नागालैंड के अन्डरग्राउंड लोगों ने चुनाव के वक्त सत्तारुढ़ दल को समर्थन नहीं दिया । बल्कि यू० डी० एफ० गवर्नमेंट जो बनी उसको समर्थन दिया । उसके कारण भी कुछ अतिशय, कुछ अनुचित प्रोत्साहन उनको मिल गया और कुछ शुरु में जो मुख्य मंत्री थे उनके मन में भी कुछ अनिश्चत विचार रहा ऐसा लगता है । लेकिन अभी हाल में उन्होंने जो बयान दिया है उससे उनकी नीति बहुत स्पष्ट हो गई है और उन्होंने साफ कहा है कि कर्फ्यू के बारे में हमारे संरक्षक दल की ओर से जो कार्रवाई होगी उसमें उनकी ओर से सहयोग किया जाएगा । श्रीमन् एक कठिनाई यह उत्पन्न हो गई है कि हाल में जब केंद्रीय सुरक्षा दल और विरोधी नागाओं के बीच मुकाबला हुआ और कुछ भूमिगत नागा विद्रोही मारे गये तब उनके प्रति सत्तारुढ़ दल ने सहानुभूति प्रकट की इसका भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है परन्तु हमें विश्वास है, पूरी आशा है कि इस प्रकार की घटना अब दुबारा नहीं होगी और वहां की जनता भी साथ देगी । हमारी और उनकी जिम्मेदारी यह है कि जो गांवों के लोग हैं और शांति चाहते हैं उनके जानो माल को पूरा संरक्षण प्रदान किया जाये ।

दिल्ली टेलीफोन के कर्मचारियों द्वारा सीधे डायल करके ट्रंक काल करने की सेवाओं का दुरुपयोग

*238. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को दिल्ली टेलीफोन के कुछ कर्मचारियों द्वारा सीधे डायल करके ट्रंक काल एस० टी० डी० करने की सेवा का दुरुपयोग करने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार उक्त सेवा का दुरुपयोग रोकने के लिए कोई विशेष तकनीकी उपाय करने का विचार रखती है ?

†[Misuse of S.T.D. service by the officials of Delhi Telephones]

*238. SHRI PRAKASH VIR SHASTRI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have received complaints regarding the misuse of S.T.D. service by some employees of the Delhi Telephones;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) whelher Government propose to introduce some special fechnical device Io check the misuse of the service?]

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) और (ख) ज्यादा रकम के बिलों के संबंध में जो शिकायतें आती हैं, उन में टेलीफोन उपभोक्ता कभी-कभी यह आरोप लगाया करते हैं कि उनकी लाइनों पर कुछ विभागीय कर्मचारियों द्वारा छेड़छाड़ की गई है । जांच पड़ताल करने पर सामान्य रूप से ऐसा नहीं पाया गया है । ज्यादातर, ज्यादा रकम के ये बिल उन एस० टी० डी० कालों के कारण होते हैं जो कि उपभोक्ताओं की जानकारी से या जानकारी के बिना उनके टेलीफोनों से की जाती हैं । कभी कभी कोई तकनीकी कारण भी हो सकता है लेकिन ऐसा बहुत कम मामलों में होता है । जब भी किसी मामले में छूट देना उचित समझा जाता है, छूट दी जाती है । वर्ष 1971 से लेकर अभी तक सिर्फ चार मामलों में ऐसा पाया गया कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा लाइनों की छेड़ छाड़ की गई थी । दो कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है और दो मामलों में कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाही की जा रही है ।

†[ ] English translation.

(ग) इस बारे मे कई कदम उठाए गए हैं। एक्सचेंज के भीतर महत्वपूर्ण स्थानों पर और लाइनों तक पहुंचने में अब और भी अधिक पाबन्दी है। उपस्कर कक्षों, मीटर कक्षों आदि में ज्यादा सतर्कता और निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली के बहुत से एक्सचेंजों में एस० टी० डी० सुविधा को हटाने की व्यवस्था भी उपलब्ध है। बिलिंग कमेटी की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है और उन्होंने जो सुझाव दिए हैं उन पर विचार किया जा रहा है।

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (PROF SHER SINGH): (a) and (b) In the complaints received about excessive billing, subscribers now and then alleged that their lines have been tempered with by some departmental officials. On investigation, it has generally not been found to be so. Mostly, the bills are due to S.T.D. calls having been made with or without the knowledge of the subscribers. Sometimes, though very rarely, there could be a technical cause. Rebate is, allowed whenever it is justified. Since 1971 in four cases only, departmental officials were found tampering with the lines. Two of the officials have been dismissed and cases against the other two are being proceeded with.

(c) Several measures have been initiated. Access to vulnerable points inside the exchange and on the lines has been made more difficult. Greater vigilance and supervision is being exercised in the equipment rooms, meter rooms, e!c. STD Barring facility is available in most of the exchanges in Delhi. Tre report of the Billing Committee has been received and suggestions made by them are under consideration]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन् वास्तविकता यह है कि टेलीफोन की लाइनों पर काम करने वाले जो कर्मचारी हैं वह यह काम करते हैं कि व्यापारियों से थोड़ा बहुत पैसा लेकर उनके टेलीफोन का कनैक्शन दूसरों के टेलीफोन के साथ मिला देते हैं। होता क्या है कि बिल तो उसी व्यक्ति के पास आता है जिसका वह टेलीफोन नंबर होता है लेकिन उसका लाभ वे व्यापारी संगठन उठाते है। कर्मचारी यह देखते हैं कि कौनसे टेलीफोन से कम मे कम एस० टी० डी० कालें होती हैं और उन्हीं टेलीफोन के साथ इन व्यापारियों के टेली-फोन का कनैक्शन जोड़ देते हैं। आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दिल्ली में यह अवैध व्यापार इन लाइन मैनों के द्वारा बराबर बढ़ता चला जा रहा है इस ी रोकथाम के लिए आपने कोई उच्च स्तरीय ऐसे आदमियों की व्यवस्था की है जो अक्समात उनका निरीक्षण करें और इस कुप्रवृत्ति को जो राजधानी में बढ़ती चली जा रही है उसको रोक सके ?

प्रो० शेर सिह : अध्यक्ष महोदय, मैंने निवेदन किया था कि जो स्थान ऐसे हैं जहां गड़बड़ हो सकती है, जैसे डिस्ट्रीब्युशन पौइन्ट पर, या मीटर पर वहां हम काफी सर्तकता वरत रहे हैं। हम दिल्ली के अलावा और शहरों में भी यह हिदायात भेज रहे हैं कि वे इस मामले मे काफी सर्तकता बरतें और ऐसे स्थानों पर जाने से लोगों पर रोकथाम लगाएं जिससे कि गड़बड़ बंद हो सके। जैसा मैंने बताया कि कुल चार केसिस हुए जिनमें से एक केस ऐसा है जो किसी बिजनेस मैन ी मदद कर रहा था उस पर हमने एक्शन लिय है। अगर इस ढंग से कोई और केस होगा तो उस पर भी हम एक्शन लेंगे।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : यह बहुत थोड़े आंकड़े आपने बताए हैं। यह तो हजारों की तादाद में काम हो रहा है।

दूसरा प्रश्न मैं यह पूछना चाहता हूं क्या आपके पास इस तरह के आंकड़े हैं कि कुछ लोगों ने परेशान हो कर एस० टी० डी० कनैक्शन कटवा दिये हैं ? यदि हां तो वे आंकड़े क्या हैं ?

तीसरे, मैं यह जानना चाहता हूं कि पहले संचार मंत्रालय ने इस प्रकार की घोषणा की थी कि आप कोई इस प्रकार का उपकरण टेलीफोन के साथ लगाने जा रहे हैं जिससे कि अगर कोई एस०टी०डी०

t[ ] English translation.

काल करें तो टेलीफोन करने वाले को यह पता लग जाएगा कि मेरा बिल इतना हो गया है । तो इस प्रकार के उपकरण लगाने की जो बात चल रही थी उसमें अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

प्रो० शेर सिंह : मैंने यह निवेदन किया कि यह सुविधा है लोगों के लिए कुछ एक्सचेन्जों में, लेकिन हम अभी तक स्ट्रोजर के सभी केन्द्रों में यह व्यवस्था नहीं कर पाये हैं ताकि कोई अपने घर से एस० टी० डी० बार (bar) करना चाहे तो कर सके । जितने क्रास बार है, उसका डिजाइन ही ऐसा है कि कोई भी आदमी जब चाहे एस० टी० डी० बार (bar) कर सकता है । जो दूसरे स्ट्रोजर केन्द्र हैं, उसमें भी हम कर रहे हैं और अभी तक कुल 21 एकसचेन्जों में कर चुके हैं और बाकी एक्सचेन्जों में भी कर रहे हैं । अभी मेरे पास उनकी संख्या नहीं है : एस० टी० डी० बार (bar) करने में अभी कुछ समय लगेगा और हम खुद इस चीज के लिये जल्दी करने की सोच रहे हैं ।

आपने जो यह पूछा कि हम कुछ ऐसी चीज बनाने की सोच रहे हैं जिसके द्वारा सबस्क्राबर के टैलीफोन में उसकी रीडिंग आ जाये, तो इसके बारे में काफी खोज की गई है परन्तु इसमें काफी खर्चा बैठता है । इसके टैम्पर किये जाने की भी सम्भावना है और उसके बारे म ज्यादा खोज करने की जरुरत है । इसको लगाने में कई तरह के झगड़े हो सकते हैं और उपभोक्ता भी काफी इधर उधर छेड़ छाड़ कर सकता है । इस तरह से रोज झगडे होंगे । यह मेरा बिल नहीं है, उसका बिल है या बिल अधिक है तो इस तरह की कई समस्याएं हैं, जिन पर हम विचार कर रहे है । इस पर कितना खर्चा होगा, इस पर भी हम विचार कर रहे हैं ।

श्री लक्ष्मी कुमारी चूंडावत : क्या मंत्री जी यह बतलायेंगे कि हिन्दी दैनिक पत्र में जो यह समाचार छपा है कि खुद कम्युनिकेशन मिनिस्टर के टैलीफोन के नाम पर किसी इन्डस्ट्रिलिस्ट के टैलीफोन का बिल जो कि हजारों में था, उनके नाम पर कर दिया गया है । तो मैं जानना चाहती हूं कि क्या यह बात सही है ?

SHRI K. BRAHMANANDA REDDY: I do not know I will find out.

प्रो० शेर सिंह : मेरे ख्याल में आपको इस बारे में कुछ भ्रम है । मंत्री महोदय ने किसी समय यह कहा था कई बार इस तरह की बात हो जाती है । शायद यह बात गलत छप गई है और हमारे नोटिस में नहीं आई है ।

SHRI BHUPESH GUPTA: Now I should like to know whether the Government is aware that sometimes telephone bills are being inflated. A Member of this House on this side, when he was absent from his residence in Delhi and when his room was locked, he had a bill given to him for that period showing several thousand calls. Do I understand that this js also being done as an anti-inflationary measure?

PROF. SHER SINGH: As I said in the main reply, when we receive complaints of over-billing, we go into the whole question and give rebates. For the information of the hon. Member I may state that in 1971 we rectived 8,715 complaints and out of that in 655 cases we gave rebate amounting to Rs. 2,80,000. In 1973 also we gave rebate amounting to Rs. 4,89,000 in respect of 758 cases. When complaints of over-billing come to our notice, we give rebates.

SHRI BHUPESH GUPTA: My question has not been answered. Shri Anand was absent for 7 days, still 9,000 calls were shown in his bill in respect of a period when he was away and when his house was locked. We know many things are being done in the name of fighting inflation. If this is one such step, please Iell us . . .

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

MR. BHUPESH GUPTA: There is no sitting down . . .

PROF. SHER SINGH: I will make enquiries. This complaint we have received and this is being investigated.

SHRI *J. S.* ANAND: The complaint was made on the 6th of July, but the *GM.* Telephones did not have even the courtesy pf sending a reply.